मूल्य – 5 रु.

तारांशु

मासिक

जुलाई – अगस्त 2024

वर्ष 10, अंक 8, पृ.सं. 20

तारा संस्थान द्वारा बच्चों की आँखों के स्वास्थ्य हेतु एक पहल : **''रोशनी''**
जिसके अन्तर्गत स्कूली बच्चों के नेत्र जाँच कर चश्मे व दवाइयाँ आदि नि:शुल्क वितरीत किए जाते है।

''आनन्द वृद्धाश्रमों हेतु भविष्य निधि योजना''

तारा संस्थान के आनन्द वृद्धाश्रमों में रहने वाले बुजुर्गों की निरंतर भोजन सेवा, चिकित्सा हेतु भविष्य निधि (Corpus Fund) में सहयोग देवें।

वृद्धजन सहयोगी ''शांति''
रू. 1,00,000/-

वृद्धजन सहयोगी ''शक्ति''
रू. 51,000/-

वृद्धजन सहयोगी ''आस्था''
रू. 21,000/-

आपके सहयोग की ब्याज राशि से वृद्धाश्रम के कार्य चलायमान रहेंगे।

आनन्द वृद्धाश्रम सेवा (प्रतिबुजुर्ग)
01 वर्ष - 60000 रु., 06 माह - 30000 रु., 01 माह - 5000 रु.

वृद्धाश्रम बुजुर्गों हेतु भोजन
4000 रु. (एक समय / प्रतियूनिट)

मुमुक्षु भवन ''श्री काशी विश्वनाथ कॉरिडोर'', वाराणसी (उ.प्र.)

मुमुक्षु भवन परम विशिष्ट सहयोगी सदस्य

1,00,000/-

इस राशि से निम्न कार्य होंगे :
- मुमुक्षु भवन संचालन।
- बाबा विश्वनाथ के एक साल में 51 अभिषेक।
- साल में एक बार 51 निर्धन लोगों को काशी में भोजन।

मुमुक्षु भवन विशिष्ट सहयोगी सदस्य

51,000/-

इस राशि से निम्न कार्य होंगे :
- मुमुक्षु भवन संचालन।
- बाबा विश्वनाथ के एक साल में 31 अभिषेक।
- साल में एक बार 31 निर्धन लोगों को काशी में भोजन।

मुमुक्षु भवन सहयोगी सदस्य

21,000/-

इस राशि से निम्न कार्य होंगे :
- मुमुक्षु भवन संचालन।
- बाबा विश्वनाथ के एक साल में 11 अभिषेक।
- साल में एक बार 11 निर्धन लोगों को काशी में भोजन।

''काश्यम मरणं मुक्ति'' ऐसी मान्यता है कि भारत के प्रमुख तीर्थस्थलों में केवल काशी को ही मोक्ष प्रदान करने का अधिकार है। इन्हीं पौराणिक मान्यताओं को ध्यान में रखकर श्री काशी विश्वनाथ कॉरिडोर में गंगा तट स्थित मणीकर्णिका घाट से 100 मीटर की दूरी पर वैद्यनाथ भवन को मुमुक्षु भवन के रूप में बनाया है। तीन मंजिला भवन में लगभग 40 बेड हैं और साथ ही भोजन हॉल और एक्टिविटी कक्ष भी है। यहाँ ऐसे बुजुर्ग जो काशी में अंतिम साँस लेना चाहेंगे वो रहेंगे अल्पावधि (अधिकतम 15 दिन) के लिए भी कुछ लोग रह सकेंगे। तारा संस्थान द्वारा वृद्धाश्रम संचालन के अनुभव को देखते हुए संस्थान को श्री काशी विश्वनाथ कॉरिडोर के मुमुक्षु भवन का संचालन दिया गया है। संस्थान ने निर्णय किया है कि इस भवन में रहने वाले आवासियों के लिए यह पूर्णतया निःशुल्क है। अतः इस भवन के संचालन हेतु एक योजना हमारे दानदाताओं के लिए बनाई गई है। इसमें आप उपर्युक्त प्रकार से दान सहयोग कर सकते हैं।

काशी में कराएँ गरीबों को भोजन

संस्थान द्वारा गरीबों में भोजन वितरण करते हुए

कहते हैं कि भूखे को भोजन करवाकर न सिर्फ मन वरन् अंतरात्मा भी संतृप्त होती है। आप भी रू. 2100/- दान देकर 50 निर्धन लोगों की क्षुधा शांत कर काशी विश्वनाथ की धरा वाराणसी में पुण्य लाभ कमा सकते हैं।

शुद्ध संकल्प हमारे जीवन का अनमोल खजाना है।

''तारा संस्थान, उदयपुर'' राजस्थान रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र क्रमांक : 31/उदयपुर/2009-10 दिनांक 25 जून, 2009 द्वारा पंजीकृत है।

आशीर्वाद :
डॉ. कैलाश 'मानव'
संस्थापक एवं प्रबन्ध न्यासी,
नारायण सेवा संस्थान (ट्रस्ट), उदयपुर

आभार :
श्रीमती पुष्पा - श्री एन.पी. भार्गव
मुख्य संरक्षक, तारा संस्थान
उद्योगपति एवं समाजसेवी, दिल्ली

डॉ. जे.पी. शर्मा
परम विशिष्ट संरक्षक, तारा संस्थान
शिक्षाविद् व समाजसेवी, दिल्ली

संरक्षक मण्डल :

श्रीमती शमा - श्री रमेश सचदेवा
दिल्ली

श्रीमती सुषमा - श्री सत्यभूषण जैन
दिल्ली

श्रीमती प्रेम निझावन
दिल्ली

श्रीमती लता - श्री लक्ष्मण दास भाटिया
मुम्बई

श्री ओ.सी. जैन
रतलाम (म.प्र.)

श्रीमती राजरानी - (स्व.) श्री राजेन्द्र कुमार जैन
दिल्ली

श्री प्रताप सिंह तलेसरा
उदयपुर

श्री प्रेम सागर गुप्ता
मुम्बई

श्रीमती सुमन - श्री अनिल गुप्ता (ISKCON)
दिल्ली

प्रकाशक एवं सम्पादक :
कल्पना गोयल

दिग्दर्शक :
दीपेश मित्तल

कार्यकारी सम्पादक :
तखत सिंह राव

ले-आउट व ग्राफिक डिजाइनर :
गौरव अग्रवाल

तारांशु - वर्ष 10, अंक - 8, जुलाई - अगस्त 2024

अनुक्रमणिका

विषय	पृष्ठ संख्या
योजनाएँ	02
अनुक्रमणिका	03
बच्चों के लिए तारा संस्थान की नई पहल : ''रोशनी'' नेत्र शिविर	04-06
मस्ती की पाठशाला : मजदूरों के बच्चों के लिए एक उम्मीद	07-08
शिखर भार्गव पब्लिक स्कूल, उदयपुर	08-09
मुमुक्षु भवन वासी अति बुजुर्ग श्री गेंदाराम जी से एक बातचीत	10
विधवा मासिक (गौरी) पेंशन / अन्नदान (तृप्ति) योजना	11
न्यूज इन ब्रीफ	12-14
नेत्रालय मासिक अपडेट्स / पुण्यतिथि भोजन सेवा योजना / हार्दिक श्रद्धांजलि	15
अभिनन्दन	16-18
सम्पर्क सूत्र - तारा संस्थान	19

आशीर्वाद - डॉ. कैलाश 'मानव' संस्थापक - नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर

श्रीमती कल्पना गोयल (दाएं) अपने पूज्य पिता डॉ. कैलाश ''मानव'' तथा श्रीमती कमला देवी अग्रवाल की सन्निधि में

'तारांशु' – स्वत्वाधिकारी, श्रीमती कल्पना गोयल द्वारा 240–ए, हिरण मगरी, सेक्टर – 6, उदयपुर (राज.) 313002 से प्रकाशित तथा मुद्रक श्री सत्यप्रकाश कुमार शर्मा द्वारा सागर ऑफसेट प्रिन्टर, इण्डिया प्रा. लि. प्लॉट नं. 518, इकोटेच – III, उद्योग केन्द्र एक्टेंशन – II, ग्रेटर नोएडा, गौतम बुद्ध नगर (उत्तर प्रदेश) में मुद्रित, सम्पादक – श्रीमती कल्पना गोयल

बच्चों के लिए तारा संस्थान की नई पहल : ''रोशनी'' नेत्र शिविर

तारा संस्थान, जो समाज सेवा और कल्याणकारी योजनाओं के लिए कार्यरत है, ने बच्चों की दृष्टि सुधारने के लिए एक नई पहल की शुरुआत की है। इस पहल का नाम ''रोशनी'' रखा गया है, जिसका उद्देश्य स्कूली बच्चों की आँखों की देखभाल करना है। इस योजना के तहत बच्चों के नेत्र शिविर लगाए जा रहे हैं, जिनमें उनकी आँखों की जाँच की जा रही है और आवश्यकता पड़ने पर निःशुल्क चश्मों का वितरण किया जा रहा है।

परिचय

आजकल के डिजिटल युग में बच्चों की आँखों पर बहुत अधिक दबाव पड़ रहा है। अधिकतर समय टीवी, मोबाइल, और कंप्यूटर स्क्रीन पर बिताने के कारण बच्चों की दृष्टि कमजोर हो रही है। कई बार बच्चों की आँखों की समस्या का पता देर से चलता है, जिससे उनकी शिक्षा प्रभावित होती है। इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए तारा संस्थान ने ''रोशनी'' नामक इस पहल को शुरू किया है।

शिविर की विशेषताएँ

''रोशनी'' नेत्र शिविर की प्रमुख विशेषताएँ निम्नलिखित हैं :

1. **''आँखों की जाँच'' :** सरकारी स्कूलों में बच्चों की आँखों की जाँच के लिए शिविर लगाए जा रहे हैं। इसमें बच्चों की आँखों की मशीन द्वारा विस्तृत जाँच की जाती है। उन बच्चों को विशेष ध्यान दिया जाता है जिन्हें दूर से ब्लैकबोर्ड देखने में कठिनाई होती है या जिनकी दृष्टि संबंधी कोई और समस्या होती है।

2. **''निःशुल्क चश्मों का वितरण'' :** जाँच के बाद, जिन बच्चों की दृष्टि कमजोर पाई जाती है, उनके लिए एक सप्ताह के भीतर चश्मे तैयार किए जाते हैं और निःशुल्क वितरित किए जाते हैं। इससे बच्चों को स्कूल में पढ़ाई के दौरान किसी प्रकार की कठिनाई का सामना नहीं करना पड़ेगा।

3. **''जाँच व वितरण'' :** अभी तक इस योजना के तहत 8000 बच्चों की आँखों की जाँच की जा चुकी है और 1500 बच्चों को निःशुल्क चश्मे वितरित किए गए हैं।

4. **''Live Camp YouTube पर प्रसारण''** : इस पहल की पारदर्शिता बनाए रखने और अधिक से अधिक लोगों को जागरूक करने के लिए तारा संस्थान ने इन नेत्र शिविरों का लाइव प्रसारण भी किया जाता है, जिसे लोग YouTube पर देख सकते हैं।

कैसे करें योगदान ?

यदि आप भी इस सराहनीय पहल का हिस्सा बनना चाहते हैं, तो मात्र 6000 रुपये की राशि में आप अपने क्षेत्र में एक नेत्र शिविर आयोजित करवा सकते हैं। इस राशि में बच्चों की नेत्र जाँच, निःशुल्क चश्मे और स्टेशनरी का वितरण शामिल है। यह एक सुनहरा अवसर है उन बच्चों की मदद करने का, जिन्हें सच में इसकी जरूरत है।

निष्कर्ष

''रोशनी'' नेत्र शिविर तारा संस्थान की ओर से एक महत्वपूर्ण पहल है, जो बच्चों के स्वास्थ्य और उनके उज्ज्वल भविष्य के प्रति समर्पित है। इस योजना के माध्यम से तारा संस्थान न केवल बच्चों की दृष्टि सुधार रहा है, बल्कि उनके जीवन में एक नई रोशनी भी फैला रहा है। इस प्रकार की पहलें समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में सहायक सिद्ध होती हैं, और यही उम्मीद है कि ''रोशनी'' शिविर के माध्यम से और भी अधिक बच्चों को लाभ प्राप्त होगा।

रोशनी नेत्र शिविर सहयोग : 6000 रु.

''राज्य प्रोग्राम कमेटी (अंधता निवारण) द्वारा निःशुल्क चश्मे वितरण : तारा संस्थान की एक और पहल''

तारा संस्थान, जो समाज कल्याण और स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में अपना विशेष स्थान रखता है, ने एक और महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट का सफलतापूर्वक समापन किया है। यह प्रोजेक्ट राजस्थान राज्य प्रोग्राम कमेटी (अंधता निवारण) के तहत वर्ष 2023–2024 के दौरान संचालित किया गया, जिसमें तारा नेत्रालय, उदयपुर की मदद से सरकारी स्कूलों के बच्चों की आँखों की निरूशुल्क जाँच और ज़रूरतमंद बच्चों को दवाइयां एवं चश्मे वितरित किए गए।

कार्यक्रम का उद्देश्य

इस प्रोजेक्ट का मुख्य उद्देश्य उदयपुर शहर और गिर्वा क्षेत्र के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों की आँखों की जाँच करना था। इसके तहत उन बच्चों की पहचान करना और मदद करना था, जिन्हें दृष्टि संबंधी समस्याएं हो सकती हैं लेकिन जिनके पास इस समस्या का समाधान कराने के लिए आवश्यक संसाधन नहीं हैं।

प्रोजेक्ट का लक्ष्य और समयावधि

इस अभियान का लक्ष्य 1,000 बच्चों को निःशुल्क चश्मे प्रदान करना था, और इसे 1 जुलाई 2024 से 31 अगस्त 2024 तक की समयावधि में पूरा किया गया।

कार्य प्रणाली

इस प्रोजेक्ट के तहत तारा संस्थान ने एक सुव्यवस्थित कार्य प्रणाली अपनाई। तारा संस्थान के प्रतिनिधियों ने उदयपुर और गिर्वा क्षेत्र के विभिन्न सरकारी स्कूलों के अधिकारियों से संपर्क किया और शिविरों की तारीखें निश्चित कीं। इसके बाद, तारा नेत्रालय की मेडिकल टीम ने इन स्कूलों में जाकर बच्चों की आँखों की जाँच की।

1. **''स्कूलों के साथ समन्वय''** : तारा संस्थान के प्रतिनिधियों ने विभिन्न स्कूलों के प्राचार्यों और अन्य अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित किया। उनके सहयोग से, प्रत्येक स्कूल में शिविरों की तारीखें निर्धारित की गईं।
2. **''मेडिकल टीम की जाँच''** : तारा नेत्रालय की मेडिकल टीम ने बच्चों की दृष्टि संबंधी समस्याओं की जाँच की। इस जाँच के दौरान बच्चों की आँखों की पूरी तरह से जांच की गई, ताकि किसी भी प्रकार की दृष्टि संबंधी समस्या का जल्द से जल्द पता लगाया जा सके।

3 **''चश्मों और दवाइयों का वितरण''** : जिन बच्चों की दृष्टि कमजोर पाई गई, उन्हें एक सप्ताह के भीतर निःशुल्क चश्मे और आवश्यक दवाइयां वितरित की गईं।

प्रोजेक्ट का सफल समापन

इस प्रोजेक्ट के तहत तारा संस्थान ने दर्जनों स्कूलों में शिविर लगाए और समयावधि के भीतर 1,000 चश्मों के वितरण का लक्ष्य पूरा किया। इस अभियान के सफल समापन ने तारा संस्थान की प्रतिबद्धता और समर्पण को एक बार फिर से सिद्ध किया है।

समाज पर प्रभाव

तारा संस्थान की इस पहल ने न केवल बच्चों की दृष्टि सुधारने में मदद की है, बल्कि उन्हें आत्मविश्वास और बेहतर शिक्षा प्राप्त करने में भी सहायता प्रदान की है। सरकारी स्कूलों में इस प्रकार के अभियान उन बच्चों के लिए वरदान साबित होते हैं जो आर्थिक रूप से कमजोर हैं और जिनके माता–पिता उनके स्वास्थ्य पर ध्यान नहीं दे पाते हैं।

निष्कर्ष

तारा संस्थान द्वारा संचालित इस प्रोजेक्ट ने एक बार फिर यह सिद्ध किया है कि सही दृष्टिकोण और समर्पण के साथ समाज में बड़े बदलाव लाए जा सकते हैं। बच्चों की दृष्टि संबंधी समस्याओं को दूर करने की दिशा में किया गया यह प्रयास न केवल उनकी शिक्षा में मददगार साबित होगा, बल्कि उनके उज्ज्वल भविष्य की नींव भी रखेगा। तारा संस्थान की यह पहल समाज के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और सेवा की भावना को दर्शाती है, और उम्मीद है कि भविष्य में भी ऐसे और अभियानों के माध्यम से समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाए जाएंगे।

मस्ती की पाठशाला : मज़दूरों के बच्चों के लिए एक उम्मीद

तारा संस्थान, जो समाज के वंचित वर्गों के उत्थान के लिए विभिन्न योजनाओं के माध्यम से कार्यरत है कि एक और उल्लेखनीय पहल की चलायमान है। जिसका नाम है ''मस्ती की पाठशाला''। 2016 में शुरू किए गए इस विशेष सायंकालीन स्कूल का उद्देश्य उदयपुर के पास मज़दूरों के बच्चों के लिए एक बेहतर भविष्य का निर्माण करना है।

कार्यक्रम का उद्देश्य और लक्ष्य

''मस्ती की पाठशाला'' का मुख्य उद्देश्य इन बच्चों को प्राथमिक शिक्षा के साथ–साथ स्वच्छता और नैतिक मूल्यों का ज्ञान देना है। इस अनौपचारिक स्कूल में बच्चों को न केवल शैक्षिक ज्ञान प्रदान किया जाता है, बल्कि उन्हें स्वच्छता के महत्व को भी सिखाया जाता है। इसके साथ ही, बच्चों को भारतीय संस्कृति और नैतिक मूल्यों की शिक्षा दी जाती है, जिससे वे अच्छे नागरिक बन सकें। इस पहल का एक और महत्वपूर्ण पहलू यह है कि बच्चों को नृत्य, खेल, और अन्य गतिविधियों के माध्यम से संपूर्ण विकास का अवसर दिया जाता है।

स्वास्थ्य और आर्थिक सहयोग

तारा संस्थान द्वारा इस पाठशाला में आने वाले बच्चों को नाश्ता भी प्रदान किया जाता है। इस प्रकार, तारा संस्थान बच्चों की शिक्षा और स्वास्थ्य के साथ–साथ उनकी आर्थिक स्थिति में भी सुधार लाने का प्रयास कर रहा है।

उपलब्धियाँ और समाज पर प्रभाव

8 वर्षों से चल रही ''मस्ती की पाठशाला'' में नियमित रूप से 50 से अधिक बच्चे कक्षाओं में भाग ले रहे हैं। इन बच्चों के माता–पिता भी इस पहल से अत्यंत प्रसन्न हैं। उनका कहना है कि तारा संस्थान के इस प्रयास के कारण उनके बच्चे स्वच्छता के प्रति अधिक जागरूक हो गए हैं और अब वे घर पर भी बेहतर व्यवहार करने लगे हैं।

शिक्षकों के अनुसार, इन बच्चों में अनेक छिपी हुई प्रतिभाएं हैं, जो इन्हें एक बेहतर नागरिक बना सकती हैं, बशर्ते इन्हें सही मार्गदर्शन और मंच प्रदान किया जाए। तारा संस्थान ने निश्चित रूप से इन बच्चों को यह मंच प्रदान किया है, जिससे उनके उज्ज्वल भविष्य की नींव रखी जा रही है।

मस्ती की पाठशाला वार्षिक शिक्षा 6000 रु. एवं भोजन 3000 रु. (60 बच्चे / 1 समय)

कार्यक्रम की संरचना

''मस्ती की पाठशाला'' सोमवार से शनिवार तक चलने वाला एक सायंकालीन कार्यक्रम है, जो जुलाई 2016 से संचालित हो रहा है। यह पाठशाला प्रत्येक दिन शाम 4 बजे से 6 बजे तक चलती है और इसमें 50 बच्चों का एक समूह भाग लेता है। तारा संस्थान इस कार्यक्रम पर प्रति छात्र प्रति माह 1000 रुपये खर्च करता है, जिसमें बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य, और अन्य आवश्यकताओं का ध्यान रखा जाता है।

दानदाताओं से अपील

तारा संस्थान की यह पहल समाज के उन बच्चों के जीवन में महत्वपूर्ण बदलाव ला रही है, जिन्हें सामान्यतया समाज द्वारा अनदेखा कर दिया जाता है। यह कार्यक्रम न केवल बच्चों को शिक्षा और स्वच्छता का महत्व सिखा रहा है, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर और सम्मानित जीवन जीने की दिशा में प्रेरित भी कर रहा है।

तारा संस्थान सभी सहृदय दानदाताओं से इस नेक कार्य में उदारता से योगदान करने की अपील करता है। आपके द्वारा दिया गया दान इन बच्चों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन ला सकता है और उन्हें एक उज्ज्वल भविष्य की ओर ले जा सकता है।

निष्कर्ष

''मस्ती की पाठशाला'' तारा संस्थान की एक और महत्वपूर्ण पहल है, जो समाज के सबसे कमजोर वर्ग के बच्चों के जीवन में शिक्षा, स्वच्छता, और नैतिक मूल्यों का प्रकाश फैला रही है। यह कार्यक्रम न केवल उनके वर्तमान को सुधारने की दिशा में कार्यरत है, बल्कि उनके भविष्य को भी सुरक्षित और समृद्ध बना रहा है। तारा संस्थान का यह प्रयास निश्चित रूप से उन सभी बच्चों के लिए एक नई उम्मीद है, जो अपने जीवन में बेहतर अवसरों की तलाश में हैं।

शिखर भार्गव पब्लिक स्कूल, उदयपुर

शिक्षा की नई दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल

तारा संस्थान, उदयपुर के अंतर्गत संचालित शिखर भार्गव पब्लिक स्कूल एक ऐसा संस्थान है, जो समाज के कमजोर वर्गों के बच्चों को समुचित और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से कार्यरत है। यह स्कूल एक छोटे से आकार में संचालित होता है, लेकिन इसके उद्देश्यों और कार्यों की महत्ता को देखते हुए इसे एक सुंदर और प्रेरणादायक पहल के रूप में देखा जा सकता है।

स्कूल का उद्देश्य

शिखर भार्गव पब्लिक स्कूल का मुख्य उद्देश्य उन बच्चों को शिक्षा प्रदान करना है जो आर्थिक तंगी के कारण उचित शिक्षा प्राप्त करने में सक्षम नहीं हैं। विशेष रूप से, यह स्कूल उन बच्चों के लिए एक वरदान है जिनकी माताएँ कम आयु में विधवा हो गई हैं या जो अनाथ हैं। ऐसे बच्चों को यहाँ न केवल निःशुल्क शिक्षा प्रदान की जाती है, बल्कि उन्हें सभी आवश्यक शैक्षिक सामग्री, जैसे कि किताबें, स्टेशनरी, बैग, और परिवहन सुविधा भी बिना किसी शुल्क के उपलब्ध कराई जाती है। इसके साथ ही, गरीब परिवारों के बच्चों के लिए भी फीस में छूट का प्रावधान किया गया है।

परीक्षायें ही परिपक्व करने का आधार है।

शैक्षणिक विशेषताएँ

शिखर भार्गव पब्लिक स्कूल का शैक्षणिक ढांचा उत्कृष्टता और समर्पण पर आधारित है।

अंग्रेजी माध्यम की शिक्षा : यह स्कूल कक्षा प्री–नर्सरी से आठवीं तक पूरी तरह से अंग्रेजी माध्यम की शिक्षा प्रदान करता है। अंग्रेजी भाषा की अच्छी पकड़ से बच्चों को भविष्य में बेहतर अवसर प्राप्त होते हैं।

प्रशिक्षित और अनुभवी स्टाफ : स्कूल का स्टाफ पूर्णतः प्रशिक्षित और अनुभवी है, जो बच्चों के शैक्षणिक विकास में विशेष ध्यान देता है। कमजोर छात्रों के लिए विशेष मार्गदर्शन और अतिरिक्त कक्षाएं भी आयोजित की जाती हैं, जिससे वे अपनी शिक्षा में आगे बढ़ सकें।

प्ले–वे विधि : पूर्व–प्राथमिक कक्षाओं के लिए प्ले–वे विधि का प्रयोग किया जाता है, जिससे बच्चों का मानसिक और शारीरिक विकास खेल–खेल में हो सके।

शैक्षिक खेल : सभी कक्षाओं में शैक्षिक खेलों के साथ अध्यापन की व्यवस्था की गई है, जिससे बच्चे खेल–खेल में नई चीजें सीख सकें।

कम्प्यूटर शिक्षा : मुफ्त कंप्यूटर शिक्षा की सुविधा भी बच्चों को दी जाती है, जिससे वे तकनीकी ज्ञान प्राप्त कर सकें और आधुनिक युग की आवश्यकताओं के साथ कदम मिला सकें।

छात्रवृत्ति : स्कूल में प्रतिभावान छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है, जिससे वे अपनी शिक्षा को आगे बढ़ाने में आर्थिक रूप से समर्थ हो सकें।

अन्य सुविधाएं

शिखर भार्गव पब्लिक स्कूल में बच्चों के समग्र विकास को ध्यान में रखते हुए विभिन्न सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं :

पुस्तकालय : समुचित–संग्रहित पुस्तकालय की सुविधा बच्चों के लिए उपलब्ध है, जिससे वे अपनी पढ़ाई के साथ–साथ अतिरिक्त ज्ञान भी प्राप्त कर सकें।

आई.टी. और कम्प्यूटर कक्ष : बच्चों को आधुनिक तकनीक से अवगत कराने के लिए आई. टी. और कम्प्यूटर कक्ष की सुविधा उपलब्ध है।

खेल का मैदान : बच्चों के शारीरिक विकास के लिए खेल का मैदान और विभिन्न खेल उपकरणों की व्यवस्था की गई है।

संगीत कक्ष : संगीत कक्ष में अलग–अलग उपकरणों के साथ संगीत की शिक्षा दी जाती है, जिससे बच्चों की सृजनात्मकता को बढ़ावा मिले।

इंडोर खेलों की व्यवस्था : शतरंज, कैरम आदि इंडोर खेलों की व्यवस्था भी की गई है, जिससे बच्चों का मानसिक विकास हो सके।

बगीचा क्षेत्र : बच्चों के लिए एक बगीचा क्षेत्र भी है, जहां वे प्रकृति के करीब आकर शांति और सुकून का अनुभव कर सकते हैं।

चिकित्सा कक्ष : चिकित्सा कक्ष में बच्चों के स्वास्थ्य की नियमित देखभाल की जाती है, ताकि वे स्वस्थ और तंदुरुस्त रह सकें।

आर.ओ. तथा शीतल जल प्लांट : पीने के लिए स्वच्छ और शीतल जल की व्यवस्था भी स्कूल में की गई है।

नियमित स्वास्थ्य चेक-अप : बच्चों के स्वास्थ्य का नियमित रूप से परीक्षण किया जाता है, जिससे किसी भी प्रकार की स्वास्थ्य समस्या का समय रहते समाधान किया जा सके।

सुसज्जित गतिविधि कक्ष : गतिविधियों के लिए सुसज्जित कक्ष की सुविधा उपलब्ध है, जिससे बच्चे अपनी प्रतिभाओं को निखार सकें।

शिक्षणोत्तर गतिविधियाँ

शिखर भार्गव पब्लिक स्कूल में शिक्षा के साथ–साथ शिक्षनोत्तर गतिविधियों पर भी विशेष ध्यान दिया जाता है। स्कूल के विद्यार्थी साल भर विभिन्न त्यौहारों और महत्त्वपूर्ण दिवसों पर सक्रिय रूप से भाग लेते हैं। होली, दीवाली, गणतंत्र दिवस आदि सभी उत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाए जाते हैं। स्टाफ का सहयोग और प्रोत्साहन विद्यार्थियों के आत्मविश्वास को बढ़ाने में सहायक सिद्ध होता है।

निष्कर्ष

शिखर भार्गव पब्लिक स्कूल, तारा संस्थान की एक सराहनीय पहल है, जो समाज के उन बच्चों को बेहतर भविष्य की ओर अग्रसर कर रही है, जिन्हें शिक्षा के पर्याप्त साधन नहीं मिल पाते। इस स्कूल का समर्पण और इसकी उत्कृष्ट शैक्षणिक और अतिरिक्त सुविधाएं इस बात का प्रमाण हैं कि सही दिशा और प्रयासों से समाज के कमजोर वर्गों के बच्चों के जीवन में बड़ा बदलाव लाया जा सकता है। शिखर भार्गव पब्लिक स्कूल न केवल एक शैक्षणिक संस्थान है, बल्कि यह एक ऐसा स्थान है जहां बच्चों के उज्जवल भविष्य की नींव रखी जाती है।

मुमुक्षु भवन वासी अति बुजुर्ग श्री गेंदाराम जी से एक बातचीत

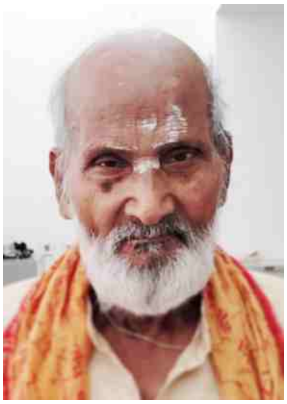

1. आपका नाम और उम्र क्या है?
   - गेंदा लाल दुबे, उम्र 81 वर्ष
2. आप कहां से हैं? (कृपया अपने गांव/शहर और राज्य का नाम बताएं)
   - भंडावल, भरावल, कानपुर देहात (उ.प्र.) 209301
3. आपके परिवार में कौन–कौन हैं? कृपया उनके बारे में थोड़ा बताएं।
   - मेरे दो बेटे है। और दो बहुएं है : 1. प्रदीप कुमारन (पुलिस विभाग में कार्यरत है। 2. विष्णु कुमारन घर पर रहकर खेती और परिवार को देखता है।
4. आपकी शिक्षा और कामकाजी जीवन कैसा था? (शिक्षा और नौकरी के बारे में कुछ जानकारी दें)
   - मैं दसवीं पास करते ही पुलिस विभाग में कार्यरत हो गया। जिससे पुलिस विभाग में रहते हुए परिवार और समाज की सेवा की।
5. आपको इस आश्रम की जानकारी कहाँ से मिली और आपने इसमें ही रहने का निर्णय क्यों लिया? इसके क्या कारण थे?
   - पिछले कुछ वर्षों से मैं काशी जी में अलग–अलग जगहों पर आता और दर्शन करता था। मेरे रिटायर्ड होने पर मैं काशी जी में कुछ महीने रहता था। फिर मैं दो वर्षों से एक आश्रम में रह रहा था। तभी पुलिस विभाग से पता चला कि कोरिडोर के अन्दर मोक्ष भवन (मुमुक्षु भवन) खुला है। तभी यह निर्णय लिया कि मैं यहीं रहकर पूजा और दर्शन करते हुए मोक्ष की कामना करूँगा।
6. आपको यहां कौन यहाँ लेकर आया और कब से रह रहे हैं?
   - हमें पुलिस विभाग द्वारा भेजा गया। करीब एक महीने से रह रहा हूँ।
7. आपका यहां आने का अनुभव कैसा रहा?
   - अच्छा रहा।
8. क्या आपको यहां कोई ऐसा व्यक्ति मिला जिससे आपको विशेष सहायता मिली हो?
   - हाँ, यहाँ पर जो लड़के काम करते है वे समय वर बेडशीट विछाते है और समय पर सफाई करते है।
9. क्या आपको यहां पर खाने–पीने की व्यवस्था संतोषजनक लगती है?
   - हाँ, अति संतोषप्रद।
10. आपको यहां की सुविधाएं कैसी लग रही है? क्या आप कुछ और बदलाव सुधार देखना चाहेगे?
    - बहुत अच्छा लगता है। क्योंकि मेरे घर से और 30 वर्ष नौकरी से भी अच्छी सुविधा मिल रही है।
11. क्या आप यहां किसी गतिविधि में भाग लेते है (जैसे योग, ध्यान या खेल आदि)
    - जी हां ध्यान करते रहते है भोले नाथजी का।
12. आश्रम के कर्मचारियों का व्यवहार और सेवाएं कैसी हैं?
    - बहुत अच्छा है।
13. क्या आपको यहां पर रहने के दौरान किसी प्रकार की कठिनाइयों का सामना करना पड़ा है?
    - नहीं।
14. आपको वृद्धाश्रम में सबसे अच्छी और सबसे बुरी चीज क्या लगती है?
    - सबसे अच्छी बात कि सफाई और मोजन की व्यवस्था उत्तम है। बुरी चीज ये है कि एक बुजुर्ग दूसरे बुजुर्गों से कम लगाव रखते है।
15. क्या आप भविष्य में किसी अन्य प्रकार की मदद या सहायता की उम्मीद करते हैं?
    - हाँ
16. क्या आप अपने परिवार के संपर्क में हैं? यदि हां तो कितना नियमित?
    - हाँ, लगभग नियमित
17. क्या आप कभी अपने घर वापस जाना चाहेंगे? यदि हां, तो क्यों?
    - नहीं।
18. क्या आपको मालुम है कि वृद्धाश्रम की सारी व्यवस्थाएं अनेकौ दान दाताओं के सहयोग से चलती है? उन्हें आप क्या कहना चाहेंगे?
    - हाँ। जब मैं यहाँ आया तब मैंने पूछा था कि मुझे यहाँ रहने का कितना पैसा देना होगा तब बताया गया कि यहाँ आपको फ्री में (बिना पैसा लिये रखा जाता है) और बताया गया कि ये सुविधा दानदाताओं के द्वारा सुनिश्चित होती है।

इस मन को मेहमान बना दो तो महान बन जायेंगे।

आज के जमाने में कौन किसी की सहायता करता है : विष्णु कुंवर

विष्णु कुंवर के पति की असामयिक मृत्यु एक्सीडेंट की वजह से हो गई थी उसके बाद से यह बहुत सारी परेशानियों से घिर गयी। उस समय इनका बच्चा भी छोटा था। जीवन में कभी कभी बदकिस्मती से ऐसा समय भी आता है जिसका सफर बहुत ही परेशान करने वाला होता है। पति के एक्सीडेंट कोई 13 साल पहले की बात है और बच्चा उस समय सिर्फ 2 साल का था। विष्णु की उम्र अब लगभग 30 साल है। इन सालों के दौरान विष्णु को बहुत ही परेशानियों का सामना करना पड़ा। शरीर भी कमजोर था, बहुत दूर दूर से पीने का पानी लाना पड़ता था, बच्चा बहुत छोटा था और गांव में न तो बिजली व पीने के पानी की व्यवस्था और भी कई छोटी बड़ी समस्या है, हर समय आती रहती थी। अभी एक छोटे से एक कमरे के मकान में रहती है। खाना बनाना, सोना भी वही, बरसात में भी उसी कमरे में बड़ी परेशानी होती है और जंगल का एरिया है तो कई प्रकार की परेशानियाँ यहाँ पर देखने को मिलती है। विष्णु कुंवर कहती है कि जब वह पिता के पास थी तब वे ज्यादा पढ़ा नहीं पाए, पिताजी सिर्फ तीसरी कक्षा पास करा पाए क्योंकि उनकी मानसिक स्थिति भी ठीक नहीं रहती थी और वह स्वयं भी उन्हें संभालने में लगी रहती थी। विष्णु कहती है कि मैंने इस जन्म में तो सुख देखा ही नहीं है। जब से पैदा हुई हूँ तब से दुख ही दुख का सामना कर रही हूँ। सिर पर कोई बोझ आता है तो उसे हटाने की ताकत की खुद ही पैदा करनी होती है तो विष्णु कुंवर कोई छोटा–मोटा काम करके अपना घर चलाने की पूरी कोशिश करती है लेकिन आय इतनी नहीं है कि खर्चा पूरा हो सके। इस महंगाई के इस जमाने में बड़ी मुश्किल से कुछ हजार इधर–उधर से कमा लेती हैं और आप लोगों की तरफ से सहायता हो जाती है। फिर भी, काम [illegible] तनी मुश्किल होती है कि एक बार भी ढंग का खाना भी नहीं मिल पाता। धनिए [illegible] जारा कर लेते है। अपनों को खोने का गम तो सिर्फ हम स्वयं ही जानते हैं। इस मर्ज का किसी और के पास कोई इलाज नहीं है। बीती हुई यादों के सहारे ही जीवन जीने का साहस रखा जिंदा रहता है और यही यादें आपको कुछ कर गुजरने की कोशिश में लगाते हैं। पति थे तो वह कभी भी मुझे किसी प्रकार की परेशानी नहीं होने देते थे। सब तरह से सुखी रखते थे और अब जब याद आती है तो रो–रोकर बुरा हाल हो जाता है। कभी–कभी की तो रात भर नींद नहीं आती। अगर वह होते तो परेशानियाँ कैसे होती? बच्चे को भी बहुत याद आती है और कई बार मैं बच्चे के सामने जब कमजोर पड़ने लग जाती हूँ तो सोचती हूँ कि नहीं यही तो एक इंसान है जिसे मुझे जैसे–तैसे बड़ा करके पालना है ताकि इसके साथ जीवन गुजार सकूँ। तारा संस्थान विष्णु जी को हर महीने रु. 1000 की विधवा महिला पेंशन के रूप में सहायता करता हैं उससे थोड़ा बहुत काम चल जाता है। वह कहती है कि मेरे बच्चे का की पढ़ाई के लिए आप सहायता नियमित रूप से जारी रखें और और वह पढ़ लिखकर अपने पैरों पर खड़ा हो जाए तो मेरा जीवन सफल है और जो दयालु महानुभाव ये भलाई का कार्य कर रहे हैं मैं उनका बहुत–बहुत आभार प्रकट करती हूँ।आज के जमाने में कौन इस तरह से कोई किसी की सहायता करता है जिस तरह से तारा संस्थान कर रहा है, बहुत–बहुत धन्यवाद आपको!

विधवा मासिक पेंशन (गौरी) योजना सहायता : प्रति विधवा 01 वर्ष – 12000 रु., 06 माह – 6000 रु., 01 माह – 1000 रु.

अन्नदान (तृप्ति) योजना :

दानदाताओं को हार्दिक धन्यवाद : लोकेश चौधरी

बचपन में करंट लगने से दोनों हाथ चले गए थे और कोई भी कार्य करने में अक्षम हो गए। पिता की मृत्यु हो गयी है। घर में वृद्ध माँ है जो थोड़ी सिलाई करके किसी तरह से भरण पोषण कर रही थी लेकिन कोरोना के बाद कार्य मिलना कम हो गया है। अब गुजारा करना बहुत मुश्किल हो गया है। मदद की बहुत आवयश्यकता है। तारा संस्थान द्वारा अन्नदान योजना के अन्तर्गत मासिक राशन सामग्री की मदद से बहुत सहारा मिल रहा है। दानदाताओं को हार्दिक धन्यवाद!

अन्नदान योजना (तृप्ति) प्रति बुजुर्ग खाद्य सामग्री सहायता : 01 वर्ष – 18000 रु., 06 माह – 9000 रु., 01 माह – 1500 रु.

06-07-2024 **Rath Yatra at Masti Ki Pathshala**

तारा संस्थान द्वारा संचालित मस्ती की पाठशाला सेक्टर 9 के नन्हे मुन्हे बच्चों ने खुद के हाथों से बनाये हुए छोटे से रथ में जगन्नाथ स्वामी की रथयात्रा धूमधाम से निकाली, बच्चों ने जय कन्हैयालाल की के नारे लगाते हुए पूरी कच्ची बस्ती मे रथयात्रा घुमाई, इसमें बच्चों का जोश देखते ही बन रहा था।

12-07-2024 **Arts and Crafts Class in Progress at MKP**

मस्ती की पाठशाला में कला और शिल्प की कक्षा चल रही है। उल्लेखनीय है कि यहाँ मजदूरों के बच्चों को न केवल गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिलती है, बल्कि विभिन्न कौशल विकास भी होते हैं, ताकि वे भारत के बेहतर नागरिक बन सकें।

20-07-2024 **Magic Show at Old Age Home**

तारा संस्थान द्वारा संचालित माँ द्रौपदी देवी आनन्द वृद्धाश्रम में सी.के. जैन जादूगर ने अपने जादू से आवासीय बुजुर्गों का मन मोह लिया।

20-07-2024 **Floor Manual at Old Age Home**

स्व. श्री मनोहर लाल जी गुप्ता व स्व. श्रीमती नर्मदा देवी जी (दौलताबाद, हरियाणा) की स्मृति में श्रीमती सुमन व श्री अनिल गुप्ता (ISKCON) (पुत्र–पुत्रवधु), तान्या जैन व अभिषेक जैन (पौत्री–दामाद), हर्ष गुप्ता व (पौत्र) एवं विवान जैन (दौहित्र) द्वारा वृद्धाश्रम के बुजुर्गों की सेवा हेतु प्रथम फ्लोर का निर्माण करवाया गया। इस फ्लोर का उद्घाटन श्री पी.सी. जैन व श्रीमती निशा जैन (एम.जे.एफ. समन्वयक) लायंस क्लब इंटरनेशनल द्वारा किया गया।

लक्ष्यहीन मनुष्य का जीवन कौड़ी तुल्य है।

News in Brief : 2

24-07-2024 | **SBI Foundation Eye Camps**

एस.बी.आई. फाउण्डेशन के सहयोग से तारा संस्थान उदयपुर द्वारा सिरोही जिले में निःशुल्क नेत्र जांच व मोतियाबिंद ऑपरेशन चयन शिविर आयोजित किये जा रहे हैं। इसी क्रम में दिनांक 11 जुलाई से 20 जुलाई के बीच वेलांगरी, झाड़ोली, सिरोड़ी व कालंद्री में सफल शिविर आयोजित किये गए।

25-07-2024 | **School Eye Screening Camps**

बच्चों की आँखों की जाँच, निःशुल्क चश्मे वितरण : जिन्हें दूर से ब्लैकबोर्ड नहीं दिखाई देता एवं अन्य आँखों सम्बन्धित बीमारियों की जाँच व नम्बर निकलने पर निःशुल्क चश्मा वितरण।

29-07-2024 | **Foundation Day**

तारा संस्थान द्वारा संचालित पं. मुंशीलाल–द्रौपदी देवी निःशुल्क नेत्र चिकित्सालय, प्लॉट नं. 78–79, शिव विहार कॉलोनी, मोक्षधाम मंदिर के पास, चिरोड़ी रोड, बंथला, लोनी, गाज़ियाबाद 5वां स्थापना दिवस मनाया गया।

07-08-2024 | **Fancy Dress Competition**

तारा संस्थान द्वारा संचालित शिखर भार्गव पब्लिक स्कूल उदयपुर में हरियाली अमावस्या पर फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता आयोजित की गई।

08-08-2024 | **Plantation Drive at Shikhar Bhargava Public School**

हरियालो राजस्थान (एक पेड़ माँ के नाम) कार्यक्रम के तहत शिखर भार्गव स्कूल मे बच्चों द्वारा पैधारोपण।

News in Brief : 3

08-08-2024 **Plantation by Elders**

हरियालों राजस्थान (एक पेड़ माँ के नाम) कार्यक्रम के तहत राजकीय वृद्धाश्रम बलीचा उदयपुर में निवासरत बुजुर्गों द्वारा पैधारोपण।

15-08-2024 **Proudly celebrating the 78th Independence Day across all branches of Tara Sansthan - uniting in the spirit of freedom and service nationwide.**

श्रीमती कृष्णा शर्मा आनन्द वृद्धाश्रम - उदयपुर

राजकीय वृद्धाश्रम - बलीचा, उदयपुर

शिखर भार्गव पब्लिक स्कूल - उदयपुर

माँ गोदावरी आनन्द वृद्धाश्रम - रायपुर (छ.ग.)

रविन्द्र नाथ गौड़ आनन्द वृद्धाश्रम - प्रयागराज (उ.प्र.)

राग द्वेष के बदले वैराग की भावना रखो।

नेत्रालय मासिक अपडेट्स :

मोतियाबिन्द जाँच - ऑपरेशन हेतु चयन शिविर

तारा संस्थान निर्धन बन्धुओं की जाँच हेतु शिविर लगाने एवं चयनित मोतियाबिन्द ग्रस्त बन्धुओं के शिविर स्थल के निकटवर्ती कस्बे या शहर में स्थित अधुनातन सुविधाओं से सम्पन्न नेत्र चिकित्सालयों या संस्थान के उदयपुर, दिल्ली, मुम्बई, फरीदाबाद व लोनी (गाजियाबाद) स्थित 'तारा नेत्रालय' में सर्वथा निःशुल्क ऑपरेशन करवाने का कार्य प्रारंभ किया है। निःशुल्क सुविधाओं में मोतियाबिन्द की जाँच, दवाइयाँ, लेंस, ऑपरेशन, चश्मे, रोगियों का परिवहन, भोजन तथा देखभाल आदि सम्मिलित है।

दानदाताओं के सौजन्य से माह जुलाई से अगस्त 2024 में आयोजित शिविरों का संक्षिप्त विवरण

सौजन्यकर्ता : अनिल-प्रेमलता, अरुण-निश, गौरव-श्वेता, सौरभ-नीति - उदयपुर (राज.)

अन्य दानदाताओं के सौजन्य से देशभर में आयोजित शिविर : श्री आनंद कुमार जैन चेतना भारत, अहमदाबाद (गुज.) - मुंबई, डीबीसीएस, धानुका जी - उदयपुर, ईसीजीसी लिमिटेड, जैन चौरिटेबल हॉस्पिटल - नई दिल्ली, श्री कैलाश जी - दिल्ली, एनपीसीबी - गोरेगांव, मुंबई, सतगुरु हुजुर महाराज - दिल्ली, एसबीआई फाउंडेशन, श्री हेमंत जैन - उदयपुर (राज.), श्रीमती प्रेम जी निझावन - दिल्ली, श्रीमती पुष्पा भार्गव और श्री एन.पी. भार्गव - दिल्ली

पुण्यतिथि भोजन सेवा योजना : 8000 रुपये

तारा संस्थान, उदयपुर की यह विशेष पहल उन परिवारों के लिए समर्पित है जो अपने दिवंगत परिजनों की पुण्यतिथि पर उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित करना चाहते हैं। इस योजना के अंतर्गत, परिवारजन 8,000 रुपये का योगदान देकर संस्थान के वृद्धाश्रम में रह रहे बुजुर्गों के लिए भोजन सेवा का आयोजन कर सकते हैं। इस पावन अवसर पर दिवंगत आत्मा की तस्वीर प्रदर्शित कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए जाएंगे, जिससे उनकी यादें और आशीर्वाद इस कार्य के माध्यम से जीवित रहेंगे। यह एक अद्वितीय अवसर है अपने प्रियजन की स्मृति को सेवा और मानवता के रूप में सम्मानित करने का।

हार्दिक श्रद्धांजलि

तारा संस्थान के इन दानदाताओं का स्वर्गवास हो गया। तारा संस्थान की ओर से भावपूर्ण श्रद्धांजलि।
हम प्रार्थना करते हैं कि ईश्वर उनकी आत्मा को शांति व उनके परिवार को सम्बल प्रदान करें।

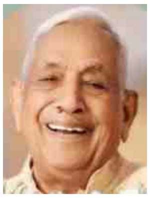

स्व. श्री वैद प्रकाश जी गुप्ता
चण्डीगढ़

स्व. श्रीमती साधना रानी जी पॉल
कोलकाता

स्व. श्रीमती अविनाश रानी जी मेहता
लुधियाना (पंजाब)

स्व. श्रीमती उर्मिला देवी जी रस्तोगी
नोएडा (उ.प्र.)

स्व. श्रीमती शांतिबाई जी सेठिया
इन्दौर (म.प्र.)

स्व. श्री जय कुमार जी जैन

स्व. श्री रमेशचन्द्र जी बंसल

आदरणीय,

आपने वित्तीय वर्ष 2024–2025 में तारा संस्थान में दान देकर कई जरूरतमंद व्यक्तियों को राहत पहुँचाई। आपका अनेक धन्यवाद। अतः आपसे निवेदन है कि INCOME TAX के नियमानुसार यदि आप TAX में छूट चाहते हैं तो आपका PAN NO. संस्थान को देना जरूरी है। इसे हम अपने INCOME TAX RETURN के 10 BD में सूचित करेंगे तो ही आपको छूट मिलेगी। यदि आप छूट ना भी लेना चाहें तो आप निम्न में से कोई भी ID दे देवें।

● VOTER ID ● AADHAR CARD ● RASHAN CARD ● PASSPORT ●

यह भारत सरकार के नियमानुसार अनिवार्य है। कृपया आप इस व्हाट्सएप्प नम्बर **9549399993** पर सूचित करावें।

आदर सहित....!

कल्पना गोयल

‘तारा परिवार का सौभाग्य है कि आपने अभिनन्दन का अवसर प्रदान किया’

श्री नसिर शाह, रतलाम | श्री खुशी अनवर सा., रतलाम (म.प्र.) | श्री एन.के. अग्रवाल, गाजियाबाद (उ.प्र.) | श्री ओ.पी. मल्होत्रा, जयपुर | श्रीमती माया जी, दिल्ली | श्री सुनील जिन्दल, दिल्ली | श्री पवन कुमार तनेजा, दिल्ली | श्रीमती मंजूबाला जी, वैशाली (उ.प्र.)

श्रीमती कुमुद शर्मा, दिल्ली | श्री श्याम लाल गुप्ता, दिल्ली | श्री राजेन्द्र प्रसाद शर्मा, दिल्ली | श्री ज्ञानचन्द नन्द्राजोग, दिल्ली | श्री विनोद कुमार विज, दिल्ली | श्री हिम्मत लाल जैन, जयपुर | श्री इन्द्र देव सेमवाल, देहरादून (उ.ख.) | श्री राम प्रताप सिंह, कानपुर (उ.प्र.)

श्री आजाद सिंह, दिल्ली | श्रीमती माया गुप्ता | श्री जय नारायण सिंघल, पंचकुला (हरि.) | श्री हरिश सी. जैन, रि. डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर, चण्डीगढ़ | श्री अजय जी, दुर्ग (छ.ग.) | श्री पन्ना लाल कोटडिया, दुर्ग (छ.ग.) | श्री अशोक कुमार गुप्ता, जबलपुर (म.प्र.) | श्री विजय कुमार नेमा, जबलपुर (म.प्र.)

श्री रमेश कुमार नाहटा, दुर्ग (छ.ग.) | श्री अरविन्द कुमार शर्मा, आगरा (उ.प्र.) | श्री अजय गोयल, आगरा (उ.प्र.) | श्री विष्णु कुमार गोयल, आगरा (उ.प्र.) | श्रीमती सुधा गोयल, लखनऊ (उ.प्र.) | श्रीमती उषा तलवार, जोधपुर (राज.) | श्रीमती मधु शिवराजन, जोधपुर (राज.) | श्री गोपाल भारती, ग्वालियर (म.प्र.)

श्री छोटमल लोढ़ा, जोधपुर (राज.) | श्री सुरेन्द्र मोहन अग्रवाल, दिल्ली | श्री प्रमोद कुमार शर्मा, दिल्ली | श्री गोविन्द बत्रा, दिल्ली | श्रीमती गीता जैन, दिल्ली | श्री अनिल कुमार जैन, दिल्ली | श्री मोती लाल जोशी, उदयपुर | सूरज फार्मा, हुबली

श्री बी.ए. कैलाश चन्द जैन, मैसूर | श्री अशोक चन्द्र मिश्रा, जयपुर | श्री राजेन्द्र प्रसाद मिश्रा, जयपुर | श्री कृष्णा कुमार जी, सिकन्दराबाद | श्री आनन्दी लाल जगनानी, दिल्ली | श्री सतीश कुमार अग्रवाल, जयपुर | श्री जगबीर सिंह जी, जयपुर | श्री कृष्णा गोपाल माथुरिया, जयपुर

श्री तारा चन्द सैनी, जयपुर | श्री राजेन्द्र अग्रवाल, जयपुर | श्री हरिप्रकाश जैन, दुर्ग (छ.ग.) | श्रीमती पुष्पा समतानी, कोटा (राज.) | श्री पी.सी. कपूर, फरीदाबाद | श्री पी.डब्ल्यू. केलकर, भोपाल (म.प्र.) | श्री दिनेश गोयल, भोपाल (म.प्र.) | श्री संतोष चाण्डक, बेमेतरा (छ.ग.)

जो सदा सन्तुष्ट है वही सदा हर्षित एवं आकर्षण मूर्त्त है।

श्री प्रणव जी
मलेरकोटला (पंजाब)

श्रीमती कौशल्या देवी
लुधियाना (पंजाब)

श्री राजेश अग्रवाल
लुधियाना (पंजाब)

श्री शक्ति सिंह जसवाल
उना (हि.प्र.)

श्री सोमनाथ मेहता
बठिंडा (पंजाब)

श्री जगदीप सिंह
जालंधर (पंजाब)

श्री ए.सी. मल्होत्रा
रोहतक (हरि.)

श्री प्रेमसुख गुप्ता
हिसार (हरि.)

श्री प्रवीण जालिनी
रतलाम (म.प्र.)

श्री विमल चन्द गोधा
रतलाम (म.प्र.)

श्री मोहन लाल चौहान
रतलाम (म.प्र.)

श्री कमलेश जैन
रतलाम (म.प्र.)

श्री मनीष जैन
नीमच (म.प्र.)

श्री प्रमोद मोदी
अहमदाबाद (गुज.)

श्री अरुण जैन
जयपुर (राज.)

श्री प्रभुदयाल वैद
जयपुर (राज.)

श्री नानक राम चौधरी
जयपुर

श्री त्रिलोकी नाथ वाली
गाजियाबाद (उ.प्र.)

श्रीमती कांता पण्डित
दिल्ली

श्री बी.के. राय
दिल्ली

श्री आर.पी. शर्मा
नजफगढ़, दिल्ली

श्री मनोहर लाल जी
बिलासपुर (छ.ग.)

श्रीमती नीलम जैन
कानपुर (उ.प्र.)

श्री बजरंग लाल मिहारिया
कानपुर (उ.प्र.)

श्री पारस नाथ वर्मा
गोरखपुर (उ.प्र.)

श्री मुरलीधर काजरीवाल
गोरखपुर (उ.प्र.)

श्री कृष्णा रावल
इन्दौर (म.प्र.)

श्री प्रकाश चन्द्र जी
लखनऊ (उ.प्र.)

श्री विजय जी
दुर्ग (छ.ग.)

श्री बी. श्यामला
दुर्ग (छ.ग.)

श्री बी. नागा
हैदराबाद

श्रीमती विनोद राजपूत
कोटा (राज.)

श्री भुवन चन्द्र जी
लखनऊ (उ.प्र.)

श्री राकेश शर्मा
जयपुर (राज.)

श्री अंकुर अग्रवाल
बिलासपुर (छ.ग.)

श्री अम्बिका प्रसाद मिश्रा
लखनऊ (उ.प्र.)

श्री पुरुषोत्तम दास मोहता
कोटा (राज.)

श्री राजेश सिंह जी
जयपुर (राज.)

कर्नल एस.एल. पालीवाल
जयपुर (राज.)

श्री जितेन्द्र गर्ग
जयपुर (राज.)

श्री गंगा दत्त जोशी
जयपुर (राज.)

श्री स्वर्ण सिंह पुत्र
श्री सेवा सिंह, दिल्ली

श्रीमती श्रद्धा मल्होत्रा
चण्डीगढ़

श्री अशोक कुमार
पंचकुला (हरि.)

श्री आर.के. डुग्गल
अम्बाला (हरि.)

श्री विजय कुमार भारद्वाज
रतलाम (म.प्र.)

श्री महेश कुमार जी
रतलाम (म.प्र.)

श्री सुनील बाबानी
मन्दसौर (म.प्र.)

श्री सेवक राम गुप्ता
दिल्ली

श्री अतुल लोहिया
इन्दौर (म.प्र.)

श्री सुरेश चन्द्र चुडगर
इन्दौर (म.प्र.)

श्रीमती कंचन राठ
इन्दौर (म.प्र.)

श्री अमित स्वामी
जयपुर (राज.)

श्री अरुण नायर
जयपुर (राज.)

श्री मुकेश खण्डेलवाल
जयपुर (राज.)

श्री विनोद अग्रवाल
जयपुर (राज.)

श्री प्रमोद कुमार जैन
जयपुर (राज.)

श्रीमती दर्शना जैन - श्री अशोक कुमार जैन
दिल्ली

श्रीमती श्रेष्ठा - श्री गोपाल महाजन
पठानकोट (पंजाब)

श्री जी.पी. कुलश्रेष्ठ एवं पुत्रवधू
श्रीमती शालिनी जी, देहरादून (उ.ख.)

श्री अनिल कुमार जैन एवं सपरिवार
दिल्ली

श्री दामोदर प्रसाद - श्रीमती विमला देवी गुप्ता
जयपुर (राज.)

श्री रमेश जैन - श्रीमती मनोरमा जैन
जयपुर (राज.)

श्रीमती नीता शर्मा के जन्मदिवस पर

श्री अशोक जैन - श्रीमती सुधा जैन
अलवर (राज.)

श्रीमती रमेश पत्नी श्री नवल किशोर भल्ला
दिल्ली

श्रीमती कमलेश - श्री सतीश मदन सेठी
अमृतसर (पंजाब)

श्रीमती नीना शर्मा - श्री डी.पी. शर्मा
अशोक नगर, दिल्ली

श्रीमती उषा जैन - श्री अनिल जैन (मुल्तानी)
जयपुर (राज.)

श्रीमती एवं श्री गोपाल धमानी
जयपुर (राज.)

श्रीमती अनिता गुप्ता -श्री अतुल गोयल
मेरठ (उ.प्र.)

श्रीमती पार्वती - श्री शिव भगवान व्यास
मेरठ (उ.प्र.)

श्रीमती सुधा गुप्ता (संस्थापक, सुधा वाटिका)
प्रयागराज (उ.प्र.)

श्री अंतिम, श्रीमती शारदा, श्री विकास ढोलिया
जयपुर (राज.)

श्री रामेश्वर प्रसाद पारीक
जयपुर (राज.)

राज जैन एवं उनकी माताजी
जयपुर (राज.)

श्री मनोज सोनी
कोलकाता

श्री साई भक्त मण्डल सदस्य

श्रीमती त्रिषला जैन - श्री जैनती प्रसाद जैन
सूरजमल विहार, दिल्ली

श्रीमती सुशीला - श्री शिव भगवान गट्टानी
नांगलोई, दिल्ली

श्री किशन देव शर्मा एवं श्री संदीपक शर्मा
उना (हि.प्र.)

श्रीमती मधुबाला - श्री चन्द्रपाल सिंह
दिल्ली

श्रीमती सावित्री - श्री सत्यनारायण गुप्ता
जयपुर (राज.)

श्रीमती वीना - श्री प्रवीण दीपक ओबेरॉय
नारायण विहार, दिल्ली

श्री पदम कुमार शर्मा
नासिरपुर, द्वारका, दिल्ली

श्रीमती एवं श्री चिरंजीलाल अग्रवाल
फरीदाबाद (हरि.)

श्री स्वरूप चन्द जैन पुत्र श्री अमित जैन
अहमदाबाद (गुज.)

श्री दिलीप कुवर दण्ड धर्मपत्नी श्रीमती दमयन्ती दण्ड
एवं पुत्री - दामाद श्रीमती सूचना शाह - श्री महेश टी. शाह, अहमदाबाद (गुज.)

श्री सक्षम जैन एवं श्री विमल गोदा जैन
रतलाम (म.प्र.)

श्रीमती रतनमाला जी - श्री रमेश कुमार जी
उदयपुर (राज.)

करुणा की बहती धारा में अपने अविवेक को धो डालो।

AREA SPECIFIC TARA SADHAKS CONTACT NUMBER LIST

Area Delhi Cell : 7821855747	**Area Delhi** Cell : 7821055717	**Area Delhi** Cell : 7821855741
Area Mumbai Cell : 7821855738	**Area Mumbai** Cell : 7821855751	**Area Jaipur (Raj.)** Cell : 9983560006
Area Lucknow (UP) Cell : 9358300777	**Area Punjab** Cell : 7821055718	**Area Jodhpur, Kanpur** Cell : 9001324709
Area Surat (Guj.) Cell : 7821855726	**Area Hyderabad** Cell : 7821855746	**Area Noida, Ghaziabad** Cell : 7821855750
Area Chandigarh (HR) Cell : 7821855756	**Area Nagpur, Pune** Cell : 7821855736	**Area Karnatak** Cell : 7230066286
Area Gurgaon, Faridabad Cell : 7821855758	**Area Raipur, Durg, Bilaspur (C.G.), Patna (Bihar)** Cell : 8696696345	
Area Uttarakhand Cell : 7229852227	**Area Ahmedabad (Guj.), Ratlam, Mandsaur, Neemuch (MP)** Cell : 7821855745	

TARA SANSTHAN BANK ACCOUNTS

ICICI Bank (Madhuban) . . A/c No. 004501021965 . . . . IFSC Code : ICIC0000045
State Bank of India . . . . A/c No. 31840870750 . . . . IFSC Code : SBIN0011406
IDBI Bank . . . . A/c No. 1166104000009645 . IFSC Code : IBKL0001166
Axis Bank . . . . A/c No. 912010025408491 . . . IFSC Code : UTIB0000097
HDFC Bank . . . . A/c No. 12731450000426 . . . . IFSC Code : HDFC0001273
Canara Bank . . . . A/c No. 0169101056462 . . . . . IFSC Code : CNRB0000169
Central Bank of India . A/c No. 3309973967 . . . . IFSC Code : CBIN0283505
Punjab National Bank . A/c No. 8743000100004834 . IFSC Code : PUNB0874300
Bank of Baroda . . . . A/c No. 30250100014174 . . . . IFSC Code : BARB0HIRANM

DONORS KINDLY NOTE

It you do not get any response from any of the above mentioned Mob. numbers, Kindly inform us at Mobile No. **09549399993 and / or 09649399993**

INCOME TAX EXEMPTION ON DONATIONS

Donations to Tara Sansthan are TAX-EXEMPT under section 80G of I.T. Act. 1961 at the rate of 50%

Donation to **"TARA SANSTHAN"** may be sent by cheque/draft drawn in favor of Tara Sansthan, payable at Udaipur, OR may be remitted direct into any of the following Bank Accounts, with caopy of pay-in-slip and Donor's address to Tara Sansthan, Udaipur for expediting Donation Acknowledgment Receipt

FCRA

Tara Sansthan is registered under Foreign Contribution Regulation Act (FCRA) with the Govt of India for receiving Donations from Foreign Countries VIDE Registration No. 125690108

HUMANITARIAN ENDEAVORS OF TARA SANSTHAN

Shri Sachin Bhatia Eye Hospital - Udaipur (Under Tara Sansthan)
236, Hiran Magari, Sector 6, Udaipur (Raj.)-313002, Mob. No. 7821855749

Tara Netralaya - Delhi
371, Main Najafgarh Road, Opposite Metro Pillar No. 724, Nawada, Uttam Nagar,
New Delhi-110059
Mob. No. 9560626661

Tara Netralaya - Mumbai
2nd Floor, Sneh Crown, Near Apna Ghar Phase - 3, Kala Silk, Silvar Sarita, Meera Village, Kashimira, Thane-401107 (Maharashtra)
Mob. No. 7821855748, 9529285557

Tara Netralaya - Faridabad
3 E / 12 & 13, Bungalow Plot, Pulia No. 3, Masjid Road, Near Church, Main Road, N.I.T. 3, Faridabad (HR)
Mob. No. 7821855758

Tara Netralaya - Loni
Pt. Munshilal-Draupadi Devi Free Eye Hospital
Plot No: 78-79, Shiv Vihar Coloney,
Near Mokshdham Mandir, Chirodi Road,
Banthla Loni, Gaziabad-201102 (U. P.)
Mob. No. 7821855757

Smt. Krishna Sharma Anand Vruddhashram - Udaipur
#344/345, Hiran Magri, (In the lane of Rajasthan Hospital, Opposite Kanda House)
Sector – 14, J-Block, Udaipur-313001 (Raj.)
Mob. 7821055720

Maa Draupadi Devi Anand Vruddhashram - Udaipur
#351/352, Hiran Magri, (In the lane of Rajasthan Hospital, Opposite Kanda House)
Sector – 14, J-Block, Udaipur-313001 (Raj.)
Mob. 9773385330

Tara Sansthan Rajkiya Vruddhashram
100ft. Road, Om Banna Road, Opp. Hyundai Show Room, South Extension, Balicha,
Udaipur (Raj.)-313001
Mob. 7229852229

Ravindra Nath Gaur Anand Vruddhashram - Prayagraj
25/39, L.I.C. Colony, Tagor Town,
Prayagraj - 211002 (U.P.), Mob. 7821855755

Shikhar Bhargava Public School
H.O. Bypass Road, Gokul Village,
Sector - 9, Udaipur - 313002 (Raj.)
Mob. No. 9636016973

Mumukshu Bhawan - Varanasi
Ganga Ghat Gate No. 1, Near Neelkanth Temple, Kashi Vishvanath Corridor, Varanasi (U.P.)
Mob. No. 7230073331

Maa Godavari Anand Vruddhashram
Krishna Kunj, Nandanvan, Village - Gomachi,
Raipur (C.G) 492099, Mob. No. 9001324850

तारांशु (हिन्दी - अंग्रेजी) मासिक, जुलाई - अगस्त 2024
प्रेषण तिथि : 11-17 प्रति माह
प्रेषण कार्यालय का पता : मुख्य डाकघर, चेतक सर्कल, उदयपुर
समाचार पत्र पंजीयन सं. : RAJBIL/2011/42978
डाक पंजीयन क्र. : आर.जे./यू.डी./29-102/2021-2023
मुद्रण तिथि : 9 प्रतिमाह

तारा संस्थान के नि:शुल्क मानवीय सेवा प्रकल्प, आपसे प्रार्थित अपेक्षित सहयोग - सौजन्य राशि

सहयोग राशि

आजीवन विशिष्ठ संरक्षक 51000 रु., अर्जित ब्याज से दानदाता के नाम से इच्छित दिनांक को प्रतिवर्ष 5 मोतियाबिन्द ऑपरेशन

आजीवन संरक्षक 21000 रु., अर्जित ब्याज से दानदाता के नाम से इच्छित दिनांक को प्रतिवर्ष 2 मोतियाबिन्द ऑपरेशन

नेत्र चिकित्सा सेवा (मोतियाबिन्द ऑपरेशन)

17 ऑपरेशन - 59500 रु., 09 ऑपरेशन - 31500 रु.,
06 ऑपरेशन - 21000 रु., 03 ऑपरेशन - 10500 रु.,
01 ऑपरेशन - 3500 रु.

अन्नदान योजना (तृप्ति) प्रति बुजुर्ग खाद्य सामग्री

01 वर्ष - 18000 रु., 06 माह - 9000 रु., 01 माह - 1500 रु.

विधवा मासिक पेंशन (गौरी) प्रति विधवा

01 वर्ष - 12000 रु., 06 माह - 6000 रु., 01 माह - 1000 रु.

आनन्द वृद्धाश्रम सेवा (प्रतिबुजुर्ग)

01 वर्ष - 60000 रु., 06 माह - 30000 रु., 01 माह - 5000 रु.

वृद्धाश्रम बुजुर्गों हेतु भोजन

4000 रु. (एक समय / प्रतियूनिट)

पुण्यतिथि भोजन सेवा योजना

8000 रु.

मस्ती की पाठशाला

वार्षिक शिक्षा 6000 रु. एवं भोजन 3000 रु. (60 बच्चे / 1 समय)

काशी विश्वनाथ में 50 निर्धनों को भोजन दान 2100 रु.

निवेदन : कृपया अपना दान - सहयोग नकद या 'तारा संस्थान, उदयपुर' के पक्ष में देय चैक/ड्राफ्ट द्वारा संस्थान के पते पर प्रेषित करने का कष्ट करें, अथवा : अपना दान सहयोग तारा संस्थान के निम्नांकित किसी बैंक खाते में जमा करवा कर 'पे-इन-स्लिप' अपने पते सहित संस्थान को प्रेषित करें ताकि दान - सहयोग प्राप्ति रसीद आपको तत्काल भेजी जा सके।

ICICI BANK (MADHUBAN)
A/c No. 004501021965 IFSC Code : ICIC0000045

STATE BANK OF INDIA
A/c No. 31840870750 IFSC Code : SBIN0011406

AXIS BANK
A/c No. 912010025408491 IFSC Code : UTIB0000097

HDFC
A/c No. 12731450000426 IFSC Code : HDFC0001273

PUNJAB NATIONAL BANK
A/c No. 8743000100004834 IFSC Code : PUNB0874300

BANK OF BARODA
A/c No. 30250100014174 IFSC Code : BARB0HIRANM

PAN CARD NO. TARA - AABTT8858J

मोबाइल से स्केन कर हाथों हाथ सहयोग भेजें।

Paytm 9549399993
Google Pay 7821855724
PhonePe 7821855724

FOLLOW US

www.instagram.com/tarasansthan
www.facebook.com/TaraSansthan
www.youtube.com/@TaraSansthanNGO
www.x.com/sansthantara
www.linkedin.com/company/tara-sansthan

बुक पोस्ट

TARA SANSTHAN
तारा संस्थान
डीडवाणिया (रतनलाल) नि:शक्तजन सेवा सदन,
236, सेक्टर - 6, हिरण मगरी, उदयपुर (राज.) 313002
मो. नं. : +91 95493 99993, +91 96493 99993
Email : info@tarasansthan.org, donation@tarasansthan.org, Website : www.tarasansthan.org